The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Thursday, July 16, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- जियो प्लेटफॉर्म्स ने भविष्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए नियोजित IPO से पहले पंकज पवार को सीईओ के रूप में नियुक्त किया
- ईजमायट्रिप ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए झारखंड सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- भारत और नेपाल ने विद्युत व्यापार और जल विद्युत विकास पर बातचीत के माध्यम से ऊर्जा सहयोग को मजबूत किया
- तमिल लेखिका पूमानी का 79 वर्ष की आयु में निधन, साहित्य में उनके योगदान के लिए याद किया गया
- नासा और रोस्कोस्मोस ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अभियान 75 क्रू मिशन लॉन्च किया
- गुजरात की पारंपरिक मसालों की पहचान को बढ़ावा देने के लिए उंझा जीरा और सौंफ को जीआई टैग मिला
- व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत-यूके सीईटीए लागू हुआ
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सेवा क्षेत्र के विकास को ट्रैक करने के लिए सेवा उत्पादन का पहला परीक्षण सूचकांक लॉन्च किया
- सरकार ने समुद्री संकट के दौरान भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए 'नाविक-प्रथम' पहल शुरू की
- आर. वैरामुथु को तमिल साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला

जियो प्लेटफॉर्म्स ने नियोजित आईपीओ से पहले पंकज पवार को सीईओ के रूप में नियुक्त किया

- जियो प्लेटफॉर्म्स ने पंकज पवार को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है, जो किरण थॉमस की जगह लेंगे। उन्होंने किरण थॉमस का स्थान लिया।

पंकज पावर के बारे में:

- रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य करते हैं।
- 2000 से रिलायंस समूह के साथ जुड़ा हुआ है।
- दूरसंचार और डिजिटल सेवाओं में लगभग 30 वर्षों का अनुभव है।

जियो प्लेटफॉर्म आईपीओ:

- कंपनी IPO के माध्यम से लगभग 4 बिलियन अमरीकी डालर (₹37,700 करोड़) जुटाने की योजना बना रही है.
- आईपीओ का मूल्य जियो प्लेटफॉर्म्स का मूल्य लगभग 137 अरब डॉलर है।
- 27 करोड़ तक के नए इक्विटी शेयर (फेस वैल्यू ₹10 प्रत्येक) जारी किए जाएंगे.
- शेयरों की कीमत सेबी के नियमों के अनुसार बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी।

बोर्ड संरचना:

- मुकेश डी. अंबानी – अध्यक्ष और गैर-कार्यकारी निदेशक
- आकाश अंबानी – प्रबंध निदेशक।
- मनोज हरजीवनदास मोदी - गैर-कार्यकारी निदेशक
- ईशा अंबानी और अनंत अंबानी – गैर-कार्यकारी निदेशक।

IPO का महत्व:

- इसका उद्देश्य जियो के दूरसंचार, डिजिटल सेवाओं, उद्यम समाधान और प्रौद्योगिकी व्यवसायों से मूल्य को अनलॉक करना है।
- अगर सफल होता है, तो यह हुंडई मोटर इंडिया के ₹27,870 करोड़ IPO (2024) को पार करते हुए भारत का सबसे बड़ा IPO बन जाएगा.

पृष्ठभूमि:

- जियो प्लेटफॉर्म्स को 2016 में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की डिजिटल सेवा शाखा के रूप में लॉन्च किया गया था।
- 2020 में, कंपनी ने वैश्विक निवेशकों से 20 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक जुटाए।
- प्रमुख विदेशी निवेशकों में मेटा, गूगल, केकेआर, सिल्वर लेक और जनरल अटलांटिक शामिल हैं।
- रिलायंस जियो इन्फोकॉम चाइना मोबाइल के बाद किसी एक देश के भीतर ग्राहकों के हिसाब से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल ऑपरेटर है।

जियो प्लेटफॉर्म के बारे में:

- मूल कंपनी: रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल)।
- अध्यक्ष: मुकेश डी. अंबानी।
- प्रबंध निदेशक: आकाश अंबानी।
- व्यावसायिक क्षेत्र: दूरसंचार, डिजिटल सेवाएं, उद्यम समाधान, क्लाउड और उभरती प्रौद्योगिकियां।
- IPO के लिए नियामक: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)।

अन्य संबंधित घटनाक्रम:

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी 3.3 अरब डॉलर तक जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए हैं।
- जियो प्लेटफॉर्म्स एआई, क्लाउड, फिनटेक और एंटरप्राइज सेवाओं के माध्यम से अपने डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार करना जारी रखता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- कंपनी: जियो प्लेटफॉर्म।
- न्यू सीईओ: पंकज पवार
- निवर्तमान सीईओ: किरण थॉमस
- IPO का साइज़: लगभग USD 4 बिलियन (₹37,700 करोड़).
- कंपनी मूल्यांकन: लगभग 137 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- नया इश्यू: 27 करोड़ तक के इक्विटी शेयर
- अध्यक्ष: मुकेश D. अंबानी

- प्रबंध निदेशक: आकाश अंबानी
- IPO रेगुलेटर: SEBI
- जियो प्लेटफॉर्म्स का लॉन्च वर्ष: 2016।

ईजमायट्रिप ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए झारखंड सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- ऑनलाइन ट्रैवल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म ईजमायट्रिप ने डिजिटल अभियानों के माध्यम से राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य घरेलू यात्रियों के बीच झारखंड की दृश्यता बढ़ाना और पर्यटन को बढ़ावा देना है।

पर्यटन संवर्धन:

- EaseMyTrip श्री बैद्यनाथ धाम, मंदिरों, झरनों, जंगलों, इको-टूरिज्म, कृषि-पर्यटन और राज्य की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देगा।
- डिजिटल मार्केटिंग अभियान पूरे भारत में यात्रियों को लक्षित करेंगे।

EaseMyTrip की भूमिका:

- कंपनी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए अपने प्रौद्योगिकी मंच और ग्राहक आधार का लाभ उठाएगी।
- यह धार्मिक स्थलों को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पित आध्यात्मिक पर्यटन मंच ईज़ीदर्शन का भी उपयोग करेगा।

साझेदारी का उद्देश्य:

- गंतव्य दृश्यता बढ़ाएँ.
- घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करें।
- झारखंड के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्रकृति आधारित आकर्षणों को प्रदर्शित करें।
- राज्य के पर्यटन-संचालित आर्थिक विकास का समर्थन करें।

पृष्ठभूमि:

- प्रामाणिक सांस्कृतिक और प्रकृति-आधारित अनुभवों की बढ़ती मांग के साथ भारत में घरेलू पर्यटन में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है।
- झारखंड अपने धार्मिक स्थलों, झरनों, जंगलों, वन्य जीवन और आदिवासी विरासत के लिए जाना जाता है।
- देवघर में श्री बैद्यनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और एक प्रमुख तीर्थस्थल है।

EaseMyTrip के बारे में:

- स्थापित: 2008
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- सीईओ और सह-संस्थापक: रिकांत पिट्टी
- व्यवसाय: ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच
- विशेष पर्यटन कार्यक्षेत्र: ईज़ीदर्शन (आध्यात्मिक पर्यटन)

झारखंड के बारे में:

- राजधानी: रांची
- मुख्यमंत्री: हेमंत सोरेन
- राज्यपाल: संतोष कुमार गंगवार
- राज्य का स्थापना दिवस: 15 नवंबर 2000
- प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण: श्री बैद्यनाथ धाम, दसम जलप्रपात, हुंडरू जलप्रपात, बेतला राष्ट्रीय उद्यान, पारसनाथ हिल्स।

अन्य हालिया पर्यटन पहल:

- झारखंड सरकार आगंतुकों की आमद बढ़ाने के लिए इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है।
- पर्यटन आउटरीच में सुधार के लिए निजी यात्रा प्लेटफार्मों के साथ डिजिटल साझेदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- कंपनी: EaseMyTrip
- भागीदार: पर्यटन विभाग, झारखंड सरकार
- उद्देश्य: डिजिटल पहल के माध्यम से झारखंड पर्यटन को बढ़ावा देना
- पर्यटन मंच: ईज़ीदर्शन
- प्रमुख धार्मिक स्थल: श्री बैद्यनाथ धाम (देवघर)

• राज्य की राजधानी: रांची
• राज्य का दर्जा: 15 नवंबर 2000

नेपाल और भारत ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए ऊर्जा वार्ता की

- नेपाल और भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए काठमांडू में उच्च स्तरीय बैठकें कीं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल और अतिरिक्त विदेश सचिव मुनू महावर शामिल थे।

चर्चा के फोकस क्षेत्र:

- सीमा पार बिजली व्यापार का विस्तार।
- दोनों देशों के बीच ट्रांसमिशन कनेक्टिविटी को मजबूत करना।
- पनबिजली विकास में सहयोग।
- क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना।

बैठक का उद्देश्य:

- द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को गहरा करना।
- स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना।
- क्षेत्रीय बिजली कनेक्टिविटी और ऊर्जा एकीकरण में सुधार।

भारत-नेपाल ऊर्जा संबंध:

- भारत बिजली निर्यात के लिए नेपाल का सबसे बड़ा बाजार है।
- दोनों देश सीमा पार पारेषण बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं।
- नेपाल भारत को अधिशेष पनबिजली का निर्यात करता है, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान।
- ऊर्जा सहयोग भारत-नेपाल द्विपक्षीय साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है।

नेपाल के बारे में:

• राजधानी: काठमांडू
• मुद्रा: नेपाली रुपया (NPR)
• प्रधान मंत्री: के. पी. शर्मा ओली
• अध्यक्ष: राम चंद्र पौडेल
• प्रमुख नदियाँ: कोशी, गंडकी, कर्णाली
• सीमावर्ती देश: भारत और चीन

अन्य हालिया द्विपक्षीय घटनाक्रम:

- भारत और नेपाल ने दीर्घकालिक विद्युत व्यापार समझौते के तहत सीमा पार बिजली व्यापार का विस्तार जारी रखा है।
- दोनों देश बीबीआईएन (बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल) ढांचे के तहत जलविद्युत परियोजनाओं और क्षेत्रीय ऊर्जा कनेक्टिविटी पर सहयोग कर रहे हैं।
- भारत ने दोनों देशों को जोड़ने वाली कई ट्रांसमिशन लाइनों के विकास का समर्थन किया है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: भारत और नेपाल
• स्थान: काठमांडू, नेपाल
• नेपाल के मंत्री: बिराज भक्त श्रेष्ठ
• भारतीय अधिकारी: पंकज अग्रवाल और मुनु महावर
• प्रमुख क्षेत्र: सीमा पार बिजली व्यापार, जल विद्युत, पारेषण कनेक्टिविटी, क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा
• नेपाल की राजधानी: काठमांडू
• मुद्रा: नेपाली रुपया (NPR)

प्रसिद्ध तमिल लेखिका पूमानी का 79 वर्ष की आयु में निधन

- प्रसिद्ध तमिल उपन्यासकार और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता पूमानी का उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ग्रामीण तमिलनाडु के यथार्थवादी चित्रण के लिए जाने जाते हैं।

पृष्ठभूमि:

- पूमानी का जन्म तमिलनाडु में हुआ था और उन्होंने ग्रामीण समुदायों के जीवन से प्रेरणा ली थी।
- उनकी रचनाएँ जाति, सामाजिक असमानता और मानवीय संबंधों पर केंद्रित थीं।
- उन्हें समकालीन तमिल साहित्य में अग्रणी आवाजों में से एक के रूप में पहचाना गया था।

साहित्यिक योगदान:

- आधुनिक तमिल साहित्य में सबसे सम्मानित लेखकों में से एक।
- ग्रामीण जीवन, सामाजिक न्याय और आम लोगों के संघर्षों को दर्शाने वाले उपन्यासों के लिए जाना जाता है।
- वेक्कै और अग्निदी सहित प्रशंसित रचनाओं के लेखन किए।

मान्यता:

- उन्हें 2014 में उनके उपन्यास अग्निदी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- तमिल साहित्य में उनकी प्रामाणिक कहानी कहने और योगदान के लिए व्यापक रूप से माना जाता है।

सिनेमा में योगदान:

- उनके उपन्यास वेक्कई को ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म असुरन में रूपांतरित किया गया था।
- धनुष अभिनीत असुरन ने व्यापक आलोचनात्मक और व्यावसायिक सफलता हासिल की।
- पूमानी ने राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के लिए फिल्म करुवेलम पुक्कल का भी निर्देशन किया।

साहित्य अकादमी के बारे में:

• स्थापित:1954
• मुख्यालय: नई दिल्ली
• प्रकार: भारत की राष्ट्रीय पत्र अकादमी
• उद्देश्य: विभिन्न मान्यता प्राप्त भाषाओं में भारतीय साहित्य का प्रचार-प्रसार।
• पुरस्कार: साहित्य अकादमी पुरस्कार भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मानों में से एक है।

अन्य संबंधित तथ्य:

- असुरन (2019) का निर्देशन वेत्रीमारन ने किया था और यह पूमानी के उपन्यास वेक्काई पर आधारित थी।
- फिल्म ने कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते और पूमानी के साहित्यिक कार्यों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• व्यक्ति: पूमानी
• के लिए जाना जाता है: तमिल उपन्यासकार और लघु कथा लेखक
• पुरस्कार: साहित्य अकादमी पुरस्कार (2014)
• पुरस्कार विजेता उपन्यास: अग्नियादी
• प्रसिद्ध उपन्यास को फिल्म में रूपांतरित: वेक्कई ⟶ असुरन
• पूमानी द्वारा निर्देशित फिल्म: करुवेलम फ्लावर्स
• संगठन: राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी)

नासा और रोस्कोस्मोस ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए अभियान 75 चालक दल लॉन्च किया

- नासा और रूस के रोस्कोस्मोस ने कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सपेडिशन 75 क्रू को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। मिशन चल रहे भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद मानव अंतरिक्ष उड़ान में अमेरिका-रूस सहयोग को जारी रखने पर प्रकाश डालता है।

मिशन का उद्देश्य:

- माइक्रोग्रैविटी में वैज्ञानिक प्रयोग करें।
- आईएसएस पर रखरखाव और तकनीकी उन्नयन करें।
- लंबी अवधि के मानव अंतरिक्ष उड़ान अनुसंधान का समर्थन करें।
- अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना।
- आईएसएस पर निरंतर मानव उपस्थिति सुनिश्चित करें।

महत्त्व:

- दर्शाता है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के बावजूद नासा-रोस्कोस्मोस सहयोग जारी है।
- भविष्य के चंद्रमा और मंगल मिशनों के लिए अनुसंधान का समर्थन करता है।
- अंतरिक्ष विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालता है।
- भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन के लिए यह एक और मील का पत्थर है।

पृष्ठभूमि:

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) दुनिया की सबसे बड़ी रहने योग्य अंतरिक्ष प्रयोगशाला है।
- 2 नवंबर 2000 से इस पर लगातार अंतरिक्ष यात्रियों का कब्जा है।
- आईएसएस के लगभग 2030 तक चालू रहने की उम्मीद है, जिसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा।

चालक दल के सदस्य:

• अनिल मेनन (नासा) – पहली अंतरिक्ष उड़ान।
• सर्गेई कुड-स्वेर्चकोव डबरोव (रोस्कोस्मोस) - दूसरी अंतरिक्ष उड़ान।
• अन्ना किकिना (रोस्कोस्मोस) - दूसरी अंतरिक्ष उड़ान और रूस की सक्रिय महिला अंतरिक्ष यात्रियों में से एक।

NASA-Roscosmos सहयोग:

• यह मिशन रूस-यूक्रेन संघर्ष के बावजूद नासा और रोस्कोस्मोस के बीच निरंतर सहयोग को दर्शाता है।
• संयुक्त मिशन जारी हैं क्योंकि दोनों एजेंसियां आईएसएस संचालन के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

नासा प्रशासक की यात्रा:

- नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने बैकोनूर कॉस्मोड्रोम का दौरा किया और रोस्कोस्मोस के निदेशक दिमित्री बाकानोव से मुलाकात की।
- यह 2018 के बाद से नासा के प्रशासक की बैकोनूर की पहली यात्रा थी।

आईएसएस संचालन:

- अमेरिकी सौर पैनल आईएसएस को विद्युत शक्ति प्रदान करते हैं।
- रूसी प्रणोदन प्रणाली स्टेशन की कक्षा को बनाए रखने में मदद करती है।
- दोनों एजेंसियां रखरखाव और अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा पर सहयोग करना जारी रखती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के बारे में:

• पहले मॉड्यूल का शुभारंभ: 1998
• निरंतर मानव उपस्थिति: 2 नवंबर 2000 से
• कक्षा: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)
• ऊंचाई: लगभग 400 किमी
• भागीदार: नासा, रोस्कोस्मोस, ईएसए, जेएक्सए और सीएसए
• उद्देश्य: वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और मानव अंतरिक्ष उड़ान।

अन्य हालिया अंतरिक्ष विकास:

- नासा और रोस्कोस्मोस भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद संयुक्त अंतरिक्ष यात्री आदान-प्रदान मिशन जारी रखते हैं।
- एजेंसियां अपनी नियोजित सेवानिवृत्ति तक उम्र बढ़ने वाले आईएसएस के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने पर काम कर रही हैं।
- आईएसएस के बाद भविष्य के वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशनों के बारे में अंतर्राष्ट्रीय चर्चा चल रही है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• मिशन: अभियान 75
• उद्देश्य: माइक्रोग्रैविटी में वैज्ञानिक अनुसंधान करना, आईएसएस को बनाए रखना, लंबी अवधि की मानव अंतरिक्ष उड़ान का समर्थन करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना।
• गंतव्य: अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)
• लॉन्च साइट: बैकोनूर कॉस्मोड्रोम, कजाकिस्तान
• नासा प्रशासक: जेरेड इसाकमैन
• रोस्कोस्मोस निदेशक: दिमित्री बाकानोव
• भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री: अनिल मेनन
• आईएसएस परिचालन के बाद से: 2 नवंबर 2000
• कक्षा: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)
• अपेक्षित सेवानिवृत्ति: 2030 के आसपास

ऊंझा जीरा और सौंफ को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला

- गुजरात के उंझा जीरा (जीरा) और उंझा सौंफ (सौंफ) को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। यह मान्यता मसालों को उत्तरी गुजरात के उंझा से उत्पन्न उत्पादों के रूप में पहचानती है।

पृष्ठभूमि:

- भारत जीरे का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है।
- गुजरात भारत के जीरा उत्पादन और निर्यात में सबसे बड़ा योगदान देता है।
- प्रमुख जीरा और सौंफ उत्पादक जिलों में मेहसाणा, पाटन, बनासकांठा और गांधीनगर शामिल हैं।

शामिल संस्थान:

जीआई पंजीकरण निम्नलिखित के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से सुरक्षित किया गया था:

• उंझा कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी)
• बागवानी और किसान कल्याण विभाग, गुजरात सरकार
• सरदारकृषिनगर दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय (एसडीएयू)
• भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई)

जीआई पहचान के लाभ:

- भौगोलिक पहचान के दुरुपयोग के खिलाफ कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।
- उत्पाद की प्रामाणिकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करता है।
- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की विश्वसनीयता को बढ़ाता है।
- जीआई-टैग किए गए उत्पाद गैर-जीआई उत्पादों की तुलना में 20-30% अधिक मूल्य प्राप्त कर सकते हैं।
- इससे किसानों की आय बढ़ने और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उंझा का महत्व:

- उंझा एशिया के सबसे बड़े मसाला व्यापार केंद्रों में से एक है।
- यह गुजरात और राजस्थान में उत्पादित जीरा और सौंफ का प्रमुख बाजार है।
- गुजरात भारत में जीरे का सबसे बड़ा उत्पादक है और सौंफ के प्रमुख उत्पादकों में से एक है।

जीआई मान्यता का उद्देश्य

- क्षेत्रीय कृषि उत्पादों की विशिष्ट पहचान की रक्षा करें।
- उत्पाद के भौगोलिक नाम के अनधिकृत उपयोग को रोकें।
- मूल्य वर्धित कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना।
- प्रीमियम मूल्य निर्धारण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाएं।
- पारंपरिक कृषि पद्धतियों और क्षेत्रीय विरासत को संरक्षित करना।

महत्त्व:

- भारत के प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य के रूप में गुजरात की स्थिति को मजबूत करता है।
- भारतीय मसाला उत्पादों की वैश्विक मान्यता को बढ़ाता है।
- भारत सरकार के एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और वोकल फॉर लोकल पहल का समर्थन करता है।
- ग्रामीण आजीविका और कृषि ब्रांडिंग को बढ़ावा देता है।

भौगोलिक संकेत (GI) टैग के बारे में:

• कानूनी ढांचा: वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999।
• तब से लागू: 15 सितंबर 2003।
• रजिस्ट्री: भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री, चेन्नई।
• द्वारा प्रशासित: पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।
• वैधता: 10 वर्ष (नवीकरणीय)।
• उद्देश्य: उन उत्पादों की सुरक्षा करें जिनकी गुणवत्ता या प्रतिष्ठा एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से जुड़ी हुई है।

गुजरात के अन्य जीआई उत्पाद:

• केसर आम देना
• भालिया व्हीट

- कच्ची खारेक
- अमलसादी चीकू

परीक्षा फोकस बिंदु:

- जीआई टैग से सम्मानित किया गया: ऊंझा जीरा (जीरा) और उंझा सौंफ (सौंफ)
- राज्य: गुजरात
- क्षेत्र: उंझा, उत्तरी गुजरात
- उद्देश्य: कानूनी सुरक्षा प्रदान करना, भौगोलिक पहचान को संरक्षित करना, किसानों की आय में सुधार करना और निर्यात को बढ़ावा देना।
- प्रमुख संस्थान: उंझा एपीएमसी
- भारत की स्थिति: जीरे का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक।
- जीआई अधिनियम: वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999।
- जीआई रजिस्ट्री: चेन्नई।
- जीआई टैग की वैधता: 10 वर्ष (नवीकरणीय)।

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (CETA) लागू हुआ

- भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) 16 जुलाई 2026 को लागू हुआ, जो एक विकसित अर्थव्यवस्था के साथ भारत के सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में से एक है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, बाजार पहुंच और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

मुख्य विचार:

CETA का कार्यान्वयन:

- यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान लागू किया गया छठा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है।
- यह हाल के वर्षों में एक विकसित अर्थव्यवस्था के साथ भारत के पहले बड़े व्यापार समझौतों में से एक है।

समझौते का उद्देश्य:

- द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि करें।
- वस्तुओं और सेवाओं के लिए अधिक बाजार पहुंच प्रदान करें।
- कई उत्पादों पर टैरिफ कम करें या समाप्त करें।
- आपूर्ति श्रृंखलाओं और वैश्विक मूल्य श्रृंखला एकीकरण को मजबूत करना।
- भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना।

भारत के लिए लाभ:

- श्रम-गहन उत्पादों के लिए यूके के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच जैसे:
- कपड़ा और वस्त्र
- जूते
- कालीन
- प्रसंस्कृत भोजन
- अनाज
- फल और सब्जियां
- मसाले
- मछली और मांस उत्पाद

निर्यात को बढ़ावा :

- ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स
- इंजीनियरिंग सामान
- इलेक्ट्रॉनिक्स
- यंत्र समूह
- चीनी मिट्टी की चीज़ें, कांच, पत्थर और सीमेंट उत्पाद

- भारतीय आईटी कंपनियों को डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के माध्यम से लाभ होगा, जिसमें यूके में तैनात कर्मचारियों को पांच साल तक सामाजिक सुरक्षा योगदान का भुगतान करने से छूट दी जाएगी।

भारत में उपभोक्ताओं के लिए लाभ:

- यूके के उत्पादों पर कम टैरिफ आयात को अधिक किफायती बना देगा, जिसमें शामिल हैं:
- स्कॉच व्हिस्की
- सामन और भेड़ का बच्चा
- चॉकलेट
- सौंदर्य प्रसाधन और इत्र
- शीतल पेय
- इलेक्ट्रॉनिक्स
- यंत्र समूह

प्रमुख टैरिफ कटौती:

- स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क शुरू में 150% से घटाकर 75% और 10 वर्षों में 40% कर दिया गया।
- यूके निर्मित कारों पर टैरिफ धीरे-धीरे 110% से घटाकर 10% कर दिया गया।
- 10 वर्षों में चांदी पर आयात शुल्क घटाकर शून्य कर दिया जाएगा।
- यूके के ट्रकों पर शुल्क चरणों में 44% से घटाकर 8.8% कर दिया गया।
- भारत द्वारा बाहर किए गए उत्पाद

भारत ने इन बातों को बाहर रखा है:

- ताजा सेब
- अखरोट
- मट्ठा उत्पाद
- नीली शिराओं वाला पनीर
- सोने की छड़ें
- स्मार्टफोन
- कुछ बीज
- यूके बहिष्करण सूची

यूके को बाहर रखा गया:

- मांस उत्पाद
- अंडा आधारित उत्पाद
- चावल
- गन्ना और चुकंदर चीनी

व्यापार और निवेश की मुख्य विशेषताएं

- द्विपक्षीय व्यापार (2025-26): 25.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- भारत का निर्यात: 13.44 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- भारत का आयात: 11.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- भारत में यूके एफडीआई (2025-26): 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर

महत्त्व:

- भारत-ब्रिटेन रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को मजबूत करता है।
- भारतीय निर्यातों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है।
- वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को बढ़ाता है।
- श्रम प्रधान उद्योगों में रोजगार को बढ़ावा देता है।
- सरकार की निर्यात आधारित विकास रणनीति का समर्थन करता है।
- भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम यूके उत्पादों को और अधिक किफायती बनाता है।

पृष्ठभूमि:

- भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता 2022 में शुरू हुई थी।
- यह समझौता कई दौर की बातचीत के बाद 2026 में संपन्न हुआ था।
- यूके यूरोप में भारत के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों में से एक है।

भारत ने पहले एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं:

- संयुक्त अरब अमीरात
- ऑस्ट्रेलिया
- मॉरीशस
- यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए)

व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (CETA) के बारे में:

- प्रकार: मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)
- देश: भारत और यूनाइटेड किंगडम
- लागू: 16 जुलाई 2026

कवरेज:

- वस्तुओं का व्यापार
- सेवाओं में व्यापार
- ख़रीदी वस्तु
- सरकारी खरीद

- बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)
- डिजिटल व्यापार
- श्रम गतिशीलता
- उत्पत्ति के नियम

अन्य प्रमुख प्रावधान:

सरकारी खरीद:

- ब्रिटेन की कंपनियों को भारतीय केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए लगभग 40,000 उच्च मूल्य के खरीद अनुबंधों तक पहुंच प्राप्त होगी।
- बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR):
- भारत ने अनिवार्य लाइसेंसिंग का उपयोग करने का अधिकार बरकरार रखा।
- कोई पेटेंट-अवधि विस्तार या फार्मास्युटिकल डेटा विशिष्टता स्वीकार नहीं की गई थी।

इस्पात व्यापार:

- 2026 में शुरू किए गए यूके के नए स्टील सुरक्षा उपायों के कारण भारत के इस्पात निर्यात को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- समझौता: भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (CETA)
- लागू किया गया: 16 जुलाई 2026
- उद्देश्य: द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाना, टैरिफ कम करना, बाजार पहुंच में सुधार करना, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- भागीदार देश: भारत और यूनाइटेड किंगडम
- प्रमुख लाभार्थी: कपड़ा, वस्त्र, जूते, इंजीनियरिंग सामान, ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाएं, कृषि, समुद्री उत्पाद।
- सामाजिक सुरक्षा लाभ: भारतीय पेशेवरों को 5 साल के लिए यूके सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट दी गई है।
- द्विपक्षीय व्यापार (2025-26): 25.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- यूके से एफडीआई (2025-26): 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर

MoSPI ने भारत का पहला परीक्षण सूचकांक सेवा उत्पादन (ISP) जारी किया

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने आधार वर्ष के रूप में 2024-25 के साथ भारत का पहला परीक्षण सेवा उत्पादन सूचकांक (ISP) जारी किया है।

मुख्य बिंदु

- परीक्षण सूचकांक में 19 औपचारिक सेवा उप-क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जो भारत की सेवा अर्थव्यवस्था का लगभग 60 प्रतिशत है।
- अप्रैल 2026 में 19 उप-क्षेत्रों में से 14 ने साल-दर-साल दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की।
- कवरेज का विस्तार करने और परीक्षण श्रृंखला की स्थिरता का आकलन करने के बाद समग्र आईएसपी पेश किया जाएगा।
- उप-क्षेत्रीय सूचकांक हर महीने की 29 तारीख को जारी किए जाएंगे।
- क्षेत्रवार प्रदर्शन

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र:

- आवास और खाद्य सेवाएं - 37.2%
- खुदरा व्यापार – 30.8%
- प्रशासनिक और सहायता सेवाएं - 28.7%
- रियल एस्टेट – 27.7%
- दूरसंचार – 22.8%
- बैंकिंग – 12.2%

घटते क्षेत्र:

- हवाई परिवहन – -13.9%
- रेलवे परिवहन – –0.4%

आईएसपी में प्रमुख वेटेज

- थोक और खुदरा व्यापार - 23%
- सूचना और बैंकिंग संबंधी सेवाएं - 22.5%

- प्रशासनिक और सहायता सेवाएं - 15%
- बैंकिंग – 11%
- सड़क परिवहन – 7.68%
- आवास और खाद्य सेवाएं - 4.27%
- दूरसंचार – 3.24%
- इन आठ क्षेत्रों में परीक्षण आईएसपी का 86.8% हिस्सा है।

पृष्ठभूमि

- भारत की आर्थिक गतिविधियों में सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत से अधिक है।
- भारत में पहले विनिर्माण के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) था, लेकिन सेवाओं के लिए मासिक उत्पादन सूचकांक का अभाव था।
- आईएसपी को सेवा क्षेत्र के प्रदर्शन के उच्च-आवृत्ति माप में सुधार के लिए पेश किया गया है।

MoSPI के बारे में

- पूरा नाम: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।
- कार्य: भारत में आधिकारिक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय।
- मुख्य भूमिका: राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित करता है और जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतक जारी करता है।
- नई पहल: सेवा उत्पादन का परीक्षण सूचकांक (आईएसपी)।

अन्य हालिया सांख्यिकीय पहल

- MoSPI ने परीक्षण ISP के लिए 2024-25 को नए आधार वर्ष के रूप में अपनाया है।
- मंत्रालय समग्र सूचकांक लॉन्च करने से पहले आईएसपी के कवरेज को मौजूदा 60% से अधिक बढ़ाने की योजना बना रहा है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- मंत्रालय: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई)
- सूचकांक: सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी)
- आधार वर्ष: 2024-25
- कवरेज: 19 औपचारिक सेवा उप-क्षेत्र
- वर्तमान कवरेज: सेवा अर्थव्यवस्था का लगभग 60%
- उद्देश्य: भारत के सेवा क्षेत्र की उच्च आवृत्ति माप
- उच्चतम विकास क्षेत्र: आवास और खाद्य सेवाएं (37.2%)
- रिलीज फ्रीक्वेंसी: हर महीने की 29 तारीख (सब-सेक्टोरल इंडेक्स)

सरकार ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए 'नाविक-प्रथम' पहल शुरू की

- केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारी जहाजों पर हमलों के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते समुद्री सुरक्षा संकट के बीच भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए 'नाविक-प्रथम' पहल शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा, कल्याण और आपातकालीन सहायता सुनिश्चित करना है।

पहल के तहत प्रमुख उपाय:

- सर्बानंद सोनोवाल ने नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में सक्रिय भारतीय नाविकों की वास्तविक समय के जहाज-दर-पोत निगरानी का निर्देश दिया गया।
- प्रत्येक प्रभावित भारतीय नाविक के लिए एक समर्पित संपर्क अधिकारी की नियुक्ति का आदेश दिया।
- जहाजरानी महानिदेशालय (डीजीएस) को प्रत्येक भारतीय नाविक को ट्रैक करने के लिए एक वास्तविक समय परिचालन डैशबोर्ड स्थापित करने का निर्देश दिया, चाहे जहाज का झंडा कुछ भी हो।
- अधिकारियों को नौवहन सुरक्षा, चिकित्सा निकासी और प्रत्यावर्तन के लिए ईरान, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय मिशनों के साथ मिलकर समन्वय करने का निर्देश दिया।
- जहाज मालिकों, पोत प्रबंधकों और भर्ती एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी भारतीय नाविक पर्याप्त जानकारी, सुरक्षा और समर्थन के बिना नौकायन करने के लिए मजबूर न हो।

पृष्ठभूमि

- यह पहल होर्मुज जलडमरूमध्य में एमटी अल बहिया और एमटी मोम्बासा पर हमलों के बाद की गई है।
- दोनों जहाजों में चालक दल के कुल 46 में से 30 भारतीय नाविक सवार थे।
- एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए, जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हो गए।
- सरकार ने प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

शिपिंग महानिदेशालय (डीजीएस) के बारे में

- मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW)
- मुख्यालय: मुंबई
- भूमिका: मर्चेंट शिपिंग और नाविक कल्याण के लिए भारत का समुद्री प्रशासन।
- कार्य: शिपिंग को नियंत्रित करता है और मर्चेंट शिपिंग अधिनियम और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सम्मेलनों को लागू करता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बारे में

- फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।
- ईरान और ओमान के बीच स्थित है।
- वैश्विक तेल और व्यापार के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- पहल: नाविक-प्रथम
- मंत्री: सर्बानंद सोनोवाल
- मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW)
- कार्यान्वयन एजेंसी: शिपिंग महानिदेशालय (डीजीएस)
- उद्देश्य: भारतीय नाविकों की रक्षा करना और पश्चिम एशिया समुद्री संकट में उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना।
- प्रभावित क्षेत्र: फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य, ओमान की खाड़ी
- समन्वय में शामिल देश: ईरान, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात

तमिल कवि आर. वैरामुथु को 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2025) मिला

- प्रसिद्ध तमिल कवि और गीतकार आर. वैरामुथु को भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान 60वें ज्ञानपीठ पुरस्कार (2025) से सम्मानित किया गया है।
- यह पुरस्कार डॉ. कर्ण सिंह ने चिन्मय मिशन ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में प्रदान किया।

साहित्यिक योगदान

- वैरामुथु एक प्रसिद्ध तमिल कवि, उपन्यासकार और गीतकार हैं।
- उनके उपन्यास कल्लिक्कट्टू इतिकसम को साहित्य अकादमी पुरस्कार (2003) मिला।
- उन्होंने सात बार सर्वश्रेष्ठ गीत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है।

उनके उल्लेखनीय कार्यों में शामिल हैं:

- करुवाची महाकाव्य
- मूंद्रम उलगा द्वारा
- थन्नीर देशम
- चोटियों की ओर

- उनकी साहित्यिक कृतियों का कई अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

पृष्ठभूमि

- आर. वैरामुथु का जन्म तमिलनाडु के एक किसान परिवार में हुआ था।
- उनका बचपन गरीबी और विस्थापन से चिह्नित था, जो उनके लेखन में प्रमुख विषय बन गए।
- वह पांच दशकों से अधिक समय से कविता, उपन्यास और फिल्मी गीत लिख रहे हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार के बारे में

- स्थापित: 1961

- प्रथम पुरस्कार: 1965
- प्रस्तुत: भारतीय ज्ञानपीठ
- उद्देश्य: साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान।

पुरस्कार घटक:

- ₹11 लाख का नकद पुरस्कार
- उद्धरण प्लेट
- देवी वाग्देवी (सरस्वती) की कांस्य प्रतिकृति
- अबाउट भारतीय ज्ञानपीठ
- स्थापित:1944
- संस्थापक: साहू शांति प्रसाद जैन और रमा जैन
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- उद्देश्य: पुरस्कारों और प्रकाशनों के माध्यम से भारतीय साहित्य और भाषाओं का प्रचार-प्रसार।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- पुरस्कार: 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2025)
- प्राप्तकर्ता: आर. वैरामुथु
- भाषा: तमिल
- प्रस्तुत: डॉ. कर्ण सिंह
- उद्देश्य: भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान
- स्थापित: 1961
- प्रथम पुरस्कार: 1965
- पुरस्कार राशि: ₹11 लाख

लेट्स रिवाइज

- अपने नियोजित आईपीओ से पहले जियो प्लेटफॉर्म्स के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? पंकज पवार
- पंकज पवार ने जियो प्लेटफॉर्म्स में किस पूर्व सीईओ की जगह ली? किरण थॉमस
- EaseMyTrip ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किस राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? झारखंड
- किस विभाग ने EaseMyTrip के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? पर्यटन विभाग, झारखंड सरकार
- भारत और नेपाल ने हाल ही में किस क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए बातचीत की?: ऊर्जा क्षेत्र
- प्रसिद्ध तमिल लेखक पूमानी, जिनका हाल ही में निधन हो गया, को किस उपन्यास के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला? अग्नियादि
- किस मिशन ने हाल ही में एक नए चालक दल को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में पहुंचाया? अभियान 75
- किस भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री ने एक्सपेडिशन 75 मिशन में अपनी पहली अंतरिक्ष उड़ान बनाई? अनिल मेनन
- गुजरात के किन दो कृषि उत्पादों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है? ऊंझा जीरा (जीरा) और उंझा सौंफ (सौंफ)।
- प्रसिद्ध मसाला व्यापार केंद्र उंझा किस राज्य में स्थित है? गुजरात।
- भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच हस्ताक्षरित CETA का पूर्ण रूप क्या है? व् यापक आर्थिक और व् यापार समझौता।
- किस मंत्रालय ने भारत का पहला परीक्षण सूचकांक सेवा उत्पादन (आईएसपी) जारी किया? सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई)।
- किस केंद्रीय मंत्री ने 'सीफेयरर-फर्स्ट' पहल शुरू की?सर्बानंद सोनोवाल।
- 60वां ज्ञानपीठ पुरस्कार (2025) किसे मिला? आर. वैरामुथु।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार के तहत दिया जाने वाला नकद पुरस्कार क्या है? ₹11 लाख

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA